सत्यमेव जयते

DSIR

DEPARTMENT OF SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH

Azadi Ka Amrit Mahotsav

डीएसआईआर कार्यक्रम के तहत
आजादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते
DSIR
DEPARTMENT OF SCIENTIFIC AND INDUSTRIAL RESEARCH

Azadi Ka Amrit Mahotsav

DELHI PHARMACEUTICAL SCIENCES & RESEARCH UNIVERSITY
2015
DPSRU
उद्यमः कार्य साधकः

हर्बल औषधि निर्माण में तकनीकी चुनौतियों का समाधान करने के लिए विचारों पर संविधान दिवस समारोह और कार्यशाला

नए स्थापित डीएसआईआर-डीपीएसआरयू-सीआरटीडीएच ने 26 नवंबर से 29 नवंबर, 2021 तक दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में संविधान दिवस और आजादी का अमृत महोत्सव मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत डीएसआईआर-डीपीएसआरयू-सीआरटीडीएच, सेंटर फॉर एडवांस फॉर्मूलेशन डेवलपमेंट (सीएएफटी) के लिए लोगो डिजाइनिंग की प्रतियोगिता के साथ हुई। समारोह 29 नवंबर, 2021 को जारी रहा। अतिथि, संकाय और छात्र इस कार्यक्रम में ऑफ़लाइन के साथ-साथ ऑनलाइन मोड में भी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत हमारे विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर देवी सरस्वती के आशीर्वाद से हुई।

प्रो. (डॉ.) गीता अग्रवाल, डीन अकादमिक, ने विश्वविद्यालय के उद्देश्यों और दूरदृष्टि के बारे में बताया। बाद में डॉ. गौरव के. जैन ने सीएएफटी के उद्देश्य और मिशन और स्टार्ट-अप, एसएमई और औद्योगिक क्षेत्र को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की विस्तार के बारे में जानकारी दी, जिसके बाद एक सवाल-जवाब सत्र का आयोजन किया गया।

डॉ. सुजाता चकलानोबिस, प्रमुख सीआरटीडीएच, ने सीआरडीटीएच के मिशन, विजन और उद्देश्यों के साथ-साथ लचीली, लाइसेंसिंग और संयुक्त उद्यम भागीदारी के तौर-तरीकों पर चर्चा की। डॉ. विपिन सी. शुक्ला, डीएसआईआर ने एक प्रभावी साझेदारी समझौता बनाने के साथ-साथ नए व्यवसायों की सहायता और समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया।
इसके बाद, प्रो. रमेश के गोयल, डीपीएसआरयू के माननीय कुलपति ने इस तरह के संभावित आत्मनिर्भर अनुसंधान केंद्र के विकास में सीएएफटी जैसे नवाचार और रचनात्मक पहल की आवश्यकता के बारे में बात की जो हर्बल उत्पादों के विकास और व्यावसायीकरण के लिए एक गुणवत्ता मंच प्रदान कर सके। गहन चर्चा के हिस्से के रूप में, उन्होंने हर्बल और पौधों पर आधारित उपचार बनाते समय उच्च गुणवत्ता वाले कच्चे माल के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आयुर्वेदिक, हर्बल और फाइटोफार्मास्युटिकल सामानों के साथ-साथ आहार की खुराक के लिए एक स्पष्ट ढांचा तैयार करने के लिए विभिन्न सुझाए गए फॉर्मूलेशन के लिए कई नियामक मानदंडों के सामंजस्य की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रो. दीप्ति पंडिता द्वारा आयोजित "हर्बल ड्रग फॉर्म्युलेशन में तकनीकी चुनौतियों को हल करने के लिए ट्रिगरिंग आइडिया" के लिए कार्यशाला शुरू हुई, जहां उन्होंने हर्बल दवाओं के उत्पादन की चुनौतियों के साथ-साथ नियामक आवश्यकताओं को जानने के महत्व पर चर्चा की। रेमेडियम, वायटल्स वेलनेस, डाबर इंडिया, अलनिच, सिस्टोपिक, मुल्तानी फार्मा और एमिल फार्मा जैसी कंपनियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कार्यशाला में अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिनिधियों ने हर्बल फॉर्मूलेशन के विकास के साथ-साथ समान नियामक मानकों की स्थापना के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया।

बाद में लोगो मेकिंग प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा इवेंट होस्ट सुश्री गार्गी अरोड़ा, डीपीएसआरयू की छात्रा द्वारा की गई और विजेताओं (श्री गौरव, पीएचडी स्कॉलर, डीपीएसआरयू और सुश्री अंकिता गौर, बी.फार्म स्टूडेंट, डीपीएसआरयू) को हमारे सम्मानित अतिथि से प्रमाणपत्र दी गई । अंत में डॉ. रमेश के गोयल डॉ. गीता डॉ. दीप्ति और डॉ. गौरव ने प्रस्तावित केंद्र

वेबिनार– "टीडीयूपीडब्ल्यू कार्यक्रम जागरूकता और महिला सशक्तिकरण के लिए आउटरीच"

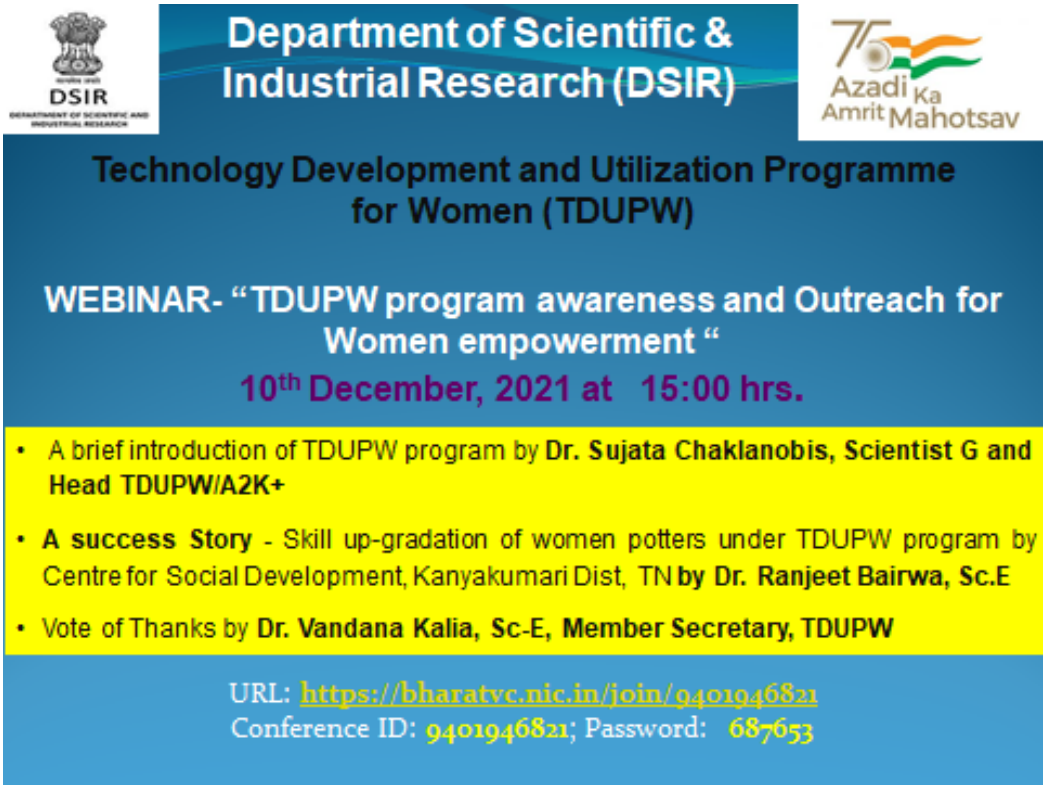

डीएसआईआर की टीडीयूपीडब्ल्यू/' ए2के+ योजना एक अनूठा मंच है जो महिलाओं के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और उन्हें नए और बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी को अपनाने और प्रसार की सुविधा प्रदान करता है। भारत की आजादी के 75 साल का जश्न मनाते हुए और **आजादी का अमृत महोत्सव पहल के तत्वावधान में**, टीडीयूपीडब्ल्यू/ए2के+ डिवीजन ने हर तिमाही जागरूकता मीट वेबिनार आयोजित करने की योजना बनाई है।

कार्यक्रम और इसके घटक, कौशल उपग्रह केंद्रों को लोकप्रिय बनाने और बढ़ावा देने के लिए, डिवीजन ने 10 दिसंबर, 2021 को 3:00 बजे से 4:00 बजे तक **"वेबिनार-टीडीयूपीडब्ल्यू कार्यक्रम जागरूकता और महिला सशक्तिकरण के लिए आउटरीच"** का आयोजन किया। यह कार्यक्रम डीएसआईआर की 'टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट एंड यूटिलाइजेशन प्रोग्राम फॉर वूमेन (टीडीयूपीडब्ल्यू)' ए2के+ योजना के तहत आवेदन दाखिल करने के लिए विभिन्न फंडिंग के अवसरों और प्रक्रिया पर था। यह कार्यक्रम के जनादेश और उद्देश्यों, निधियन पात्रता एवं प्रक्रिया और व्यक्तिगत परियोजना प्रस्तावों और कौशल उपग्रह केंद्रों के अपेक्षित परिणामों पर केंद्रित था। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले की महिला कुम्हारों के जीवन संवन्धित कार्यक्रम के प्रभाव पर एक दूरदर्शिता पूर्ण वार्ता भी हुई।

वेबिनार में कॉर्पोरेट फाउंडेशनों और महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित संस्थानों/प्रयोगशालाओं के संकाय और शोधकर्ताओं की भागीदारी देखी गई।

कार्यक्रम के दौरान अंतर्दृष्टिपूर्ण वार्ता ने प्रतिभागियों को अच्छी तरह से अवधारणात्मक और अच्छी तरह से लिखित प्रस्तावों को लाने में मार्गदर्शन किया और उन्हें टीडीयूपीडब्लू कार्यक्रम के तहत डीएसआईआर से वित्त पोषण सहायता प्राप्त करके महिलाओं के

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत डीएसआईआर प्रशासन द्वारा गतिविधियां

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

1.रिकॉर्ड प्रबंधन:-

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) में जगह की कमी के कारण, अधिकांश फाइलें गलियारों, रिकॉर्ड रूम के फर्श और डिवीजनों / अनुभागों में रखी गई थीं। विभाग में अभिलेखों की समीक्षा, डिजिटलीकरण और फाइलों को हटाने की तत्काल आवश्यकता थी। विशेष अभियान के दौरान कुल 11,211 फाइलों की समीक्षा की गई, जिनमें से 4950 फाइलों की छंटाई के लिए पहचान की गई, जिन्हें हटा दिया गया है।

2. **स्वच्छता अभियान:-**

डीएसआईआर और उसके संगठनों ने हाल ही में आयोजित स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान को सफल बनाने में विभाग के सभी संगठनों और संभागों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अभियान की कुछ तस्वीरें नीचे दी गई हैं:

3. **अप्रचलित / अनुपयोगी वस्तुओं का निपटान:-**

अक्टूबर, 2021 माह के दौरान विभाग में पड़ी बड़ी संख्या में अप्रचलित/अनुपयोगी वस्तुओं का निपटान किया गया।